AC – 27/12/2023
Item No. – 5.1 (N)

As Per NEP 2020

University of Mumbai

Title of the program

A- **U.G. Certificate in HINDI**
B- U.G. Diploma in **HINDI**
C- B.A. (**HINDI**)
D- B.A. (Hons.) in **HINDI**
E- B.A. (Hons. with Research) in **HINDI**

Syllabus for

Semester – Sem I & II

Ref: GR dated 20th April, 2023 for Credit Structure of UG

(With effect from the academic year 2024-25 Progressively)

University of Mumbai

(As per NEP 2020)

Sr. No.	Heading	Particulars	
1	**Title of program** **O: _____A**	**A**	**U.G. Certificate in HINDI**
	O: _____B	**B**	**U.G. Diploma in HINDI**
	O: _____C	**C**	**B.A. (HINDI)**
	O: _____D	**D**	**B.A. (Hons.) in HINDI**
	O: _____E	**E**	**B.A. (Hons. with Research) in HINDI**
2	**Eligibility** **O: _____A**	**A**	12th QUALIFY OR Passed Equivalent Academic Level 4.0
	O: _____B	**B**	Under Graduate Certificate in Hindi OR Passed Equivalent Academic Level 4.5
	O: _____C	**C**	Under Graduate Diploma in Hindi OR Passed Equivalent Academic Level 5.0
	O: _____D	**D**	B.A. (Hindi) with minimum CGPA of 7.5 OR Passed Equivalent Academic Level 5.5
	O: _____E	**E**	B.A. (Hindi) with minimum CGPA of 7.5 OR Passed Equivalent Academic Level 5.5
3	**Duration of program** **R: _____**	**A**	One Year
		B	Two Years
		C	Three Years
		D	Four Years
		E	Four Years
4	**Intake Capacity** **R: _____**	120 PER DIVISON	

5	**Scheme of Examination** **R: _____**	NEP 40% Internal 60% External, Semester End Examination Individual Passing in Internal and External Examination	
6	**R: _____ Standards of Passing**	40%	
7	**Credit Structure** **Sem. I - R: _____A** **Sem. II - R: _____B**	Attached herewith	
	Credit Structure **Sem. III - R: _____C** **Sem. IV - R: _____D**		
	Credit Structure **Sem. V - R: _____E** **Sem. VI - R: _____F**		
8	**Semesters**	A	Sem I & II
		B	Sem III & IV
		C	Sem V & VI
		D	Sem VII & VIII
		E	Sem VII & VIII
9	**Program Academic Level**	A	4.5
		B	5.0
		C	5.5
		D	6.0
		E	6.0
10	**Pattern**	Semester	
11	**Status**	New (NEP)	
12	**To be implemented from Academic Year Progressively**	From Academic Year: 2024-25	

Sign of BOS Chairman **Prof. Dr. Santosh Motwani** **Name of the BOS: Hindi**	**Sign of the Offg. Associate Dean** **Dr. Suchitra Naik** **Faculty of Humanities**	**Sign of the Offg. Associate Dean** **Dr. Manisha Karne** **Faculty of Humanities**	**Sign of the Dean** **Prof. Dr. Anil Singh** **Faculty of Humanities**

Preamble

● प्रस्तावना (Introduction):

भाषा और साहित्य सामाजिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट करने के साथ विद्यार्थियों में अनेक परिवर्तन भी लाते हैं। भाषा और साहित्य संस्कृति का एक व्यापक हिस्सा है, जिसके बिना समाज का व्यवहार असंभव होता है। भाषा से ही साहित्य की रचना होती है और मानव अपनी कोमल-कठोर अनुभूतियों को भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है। जब भाषा सौन्दर्य और लालित्य पाकर रचनात्मकता की ओर बढ़ती है तो वह किसी भाषा का साहित्य बन जाता है। जब समाज साहित्य को पढ़ता है, अपनाता है तो वह समाज का अमूल्य अङ्ग बन जाता है। साहित्य में जीवन-मूल्यों के साथ शक्तिमत्ता, स्वार्थहीनता, संवेदना, अनुभूति और परोपकार जुड़ा रहता है, तब उच्चतम मानवीय मूल्यों का वास्तविक संवाहक साहित्य होता है और उच्च शिक्षा के दौरान साहित्य के माध्यम से यही समस्त गुण-मूल्य, आचरण विद्यार्थियों के मानस में उतरते हैं एवं विद्यार्थी एक बेहतर नागरिक बनने के साथ सामाजिक, राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान देता है।

अब तक लागू की गयी राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों में शिक्षा माध्यम के रूप में मातृभाषा या स्थानीय भाषा को सुझाया गया है। वर्ष 2020 में लागू की गयी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अन्य महत्त्वपूर्ण नीतियों के साथ ही भाषाओं विशेषकर मातृभाषा और स्थानीय भाषा में शिक्षा पर बहुत बल दिया गया है। चूँकि हिंदी भारत की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। मनोरंजन और विज्ञापन उद्योग की मुख्य भाषा होने के साथ सूचना प्रौद्योगिकी में दैनिक इस्तेमाल में समाज प्रयोग करता है। हिंदी भाषा का ज्ञान छात्रों के लिए प्रगतिपथ के नए द्वार खोलेगा। हिंदी का 1300 साल लंबा इतिहास रहा है, इसलिए हिंदी क्षेत्र और शेष भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को समझने के लिए हिंदी भाषा और साहित्य का अध्ययन बहुत महत्व रखता है।

● Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को गद्य विधाओं की प्रचलित रचना कहानी और निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, वैज्ञानिक लेख, व्यंग्य, लोककथा एवं यात्रावृत्त आदि नवीनतम विधाओं से परिचित कराना।
2. हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन विधाओं की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराना।
3. विद्यार्थियों को नवीन गद्य विधाओं के स्वरूप-विवेचन, विशेषताओं से परिचय कराना।
4. विद्यार्थियों ज्ञान-विज्ञान और पर्यावरण के प्रति जागरूक, करते हुए उत्तरदायी बनाना।
5. विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का बोध जगाते हुए सांस्कृतिक चेतना जागृत करना।
6. रचना के आधार पर प्रजातन्त्र की पद्धतियों से विद्यार्थियों का परिचय कराना।

● Course/Learning Outcomes:

PO-1. विद्यार्थियों का भाषा और साहित्य की विधाओं से परिचित होना और साहित्य की रचनात्मकता की ओर बढ़ना।
PO-2. विद्यार्थियों की भाषिक अभिव्यक्ति कौशल का संवर्धन होना।
PO-3. विद्यार्थियों का सामाजिक, राष्ट्रीय, लोकतान्त्रिक मूल्यों को ग्रहण करना।
PO-4. विद्यार्थियों का पर्यावरण के प्रति सचेत होना, जागरूक होना।
PO-5. विद्यार्थियों द्वारा साहित्य के अध्ययन से मानवीय मूल्य ग्रहण करते हुए बेहतर नागरिक बनना।

1) Credit Structure of the Program (Sem I, II, III, IV, V & VI)

Under Graduate Certificate in HINDI

Credit Structure (Sem. I & II)

	R:_____A								
Level	**Semester**	**Major**		**Minor**	**OE**	**VSC, SEC (VSEC)**	**AEC, VEC, IKS**	**OJT, FP, CEP, CC, RP**	**Cum. Cr. / Sem.**	**Degree/ Cum. Cr.**
		Mandatory	**Electives**							
4.5	I	6(4+2) I) आधुनिक हिंदी गद्य (4) II) हिंदी उपन्यास (2)		-	2+2	VSC:2 I) संभाषण एवं मंच संचालन (2) SEC:2 II) प्रिंट-मीडिया लेखन एवं विज्ञापन (2)	AEC:2 VEC:2 IKS:2	CC:2	22	UG Certificate 44
	R:_____B									
	II	6 I) आधुनिक हिंदी गद्य (4) II) हिंदी नाटक (2)		2	2+2	VSC:2, SEC:2 VSC:2 सृजनात्मक लेखन (2) SEC:2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हिंदी (2)	AEC:2 VEC:2	CC:2	22	
	Cum Cr.	12	-	2	8	4+4	4+4+2	4	44	
Exit option: Award of UG Certificate in Major with 40-44 credits and an additional 4 credits core NSQF course/ Internship OR Continue with Major and Minor										

Under Graduate Diploma in HINDI

Credit Structure (Sem. III & IV)

	R:_____C									
Level	**Semester**	**Major**		**Minor**	**OE**	**VSC, SEC (VSEC)**	**AEC, VEC, IKS**	**OJT, FP, CEP, CC, RP**	**Cum. Cr. / Sem.**	**Degree/ Cum. Cr.**
		Mandatory	**Electives**							
5.0	III	8 1) मध्यकालीन काव्य (4) 2) प्रयोजनमूलक हिंदी (4)		4	2	VSC:2 सोशल मीडिया (2)	AEC:2	FP: 2 CC:2	22	UG Diploma 88
	R:_____D									
	IV	8 I) आधुनिक काव्य (4) II) जनसंचार माध्यम (4)		4		SEC:2 सूचना प्रौद्योगिकी एवं हिंदी (2)	AEC:2	CEP: 2 CC:2	22	
	Cum Cr.	28		10	12	6+6	8+4+2	8+4	88	
Exit option; Award of UG Diploma in Major and Minor with 80-88 credits and an additional 4 credits core NSQF course/ Internship OR Continue with Major and Minor										

B.A. (HINDI)

Credit Structure (Sem. V & VI)

	R:_____E									
Level	Semester	Major		Minor	OE	VSC, SEC (VSEC)	AEC, VEC, IKS	OJT, FP, CEP, CC, RP	Cum. Cr. / Sem.	Degree / Cum. Cr.
		Mandatory	Electives							
5.5	V	10 I) आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास (4) II) साहित्य : सिद्धान्त एवं स्वरूप (4) III) आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि (2)	4 हिंदी दलित विमर्श (4) OR हिंदी आदिवासी विमर्श (4)	4 हिंदी आंचलिक साहित्य (4)		VSC: 2 हिंदी पत्रकारिता (2)		FP/CEP: 2	22	UG Degree 132
	R:_____F									
	VI	10 I) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (4) II) भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण (4) III) समकालीन विमर्श (2)	4 विशेष अध्ययन – हिंदी लेखक (4) OR विशेष अध्ययन – हिंदी कवि (4)	4 हिंदी प्रवासी साहित्य (4)				OJT :4	22	
	Cum Cr.	48	8	18	12	8+6	8+4+2	8+6+4	132	
Exit option: Award of UG Degree in Major with 132 credits OR Continue with Major and Minor										

[Abbreviation - OE – Open Electives, VSC – Vocation Skill Course, SEC – Skill Enhancement Course, (VSEC), AEC – Ability Enhancement Course, VEC – Value Education Course, IKS – Indian Knowledge System, OJT – on Job Training, FP – Field Project, CEP – Continuing Education Program, CC – Co-Curricular, RP – Research Project]

SEMESTER I

प्रश्न पत्र का नाम - आधुनिक हिंदी गद्य (MODERN HINDI PROSE)

पाठ्यक्रम का प्रारूप MANDATORY/MAJOR- HINDI 04 Credits

Name of the Programme	**FYBA**
Level	**4.5**
Semester	**I**
Vertical	**Major/Mandatory**
Name of the Course	**आधुनिक हिंदी गद्य (MODERN HINDI PROSE)**
Type	**Theory**
Credits	**4 credits (1credit = 15Hours for Theory in a Semester)**
Hours Allotted	**60 Hours**
Marks Allotted	**100 Marks**

● प्रस्तावना (Introduction):

भाषा और साहित्य सामाजिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट करने के साथ विद्यार्थियों में अनेक परिवर्तन भी लाते हैं। भाषा और साहित्य संस्कृति का एक व्यापक हिस्सा है, जिसके बिना समाज का व्यवहार असंभव होता है। भाषा से ही साहित्य की रचना होती है और मानव अपनी कोमल-कठोर अनुभूतियों को भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है। जब भाषा सौन्दर्य और लालित्य पाकर रचनात्मकता की ओर बढ़ती है तो वह किसी भाषा का साहित्य बन जाता है। जब समाज साहित्य को पढ़ता है, अपनाता है तो वह समाज का अमूल्य अङ्ग बन जाता है। साहित्य में जीवन-मूल्यों के साथ शक्तिमत्ता, स्वार्थहीनता, संवेदना, अनुभूति और परोपकार जुड़ा रहता है, तब उच्चतम मानवीय मूल्यों का वास्तविक संवाहक साहित्य होता है और उच्च शिक्षा के दौरान साहित्य के माध्यम से यही समस्त गुण-मूल्य, आचरण विद्यार्थियों के मानस में उतरते हैं एवं विद्यार्थी एक बेहतर नागरिक बनने के साथ सामाजिक, राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान देता है।

● Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को गद्य विधाओं की प्रचलित रचना कहानी और निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, वैज्ञानिक लेख, व्यंग्य, लोककथा एवं यात्रावृत्त आदि नवीनतम विधाओं से परिचित कराना।
2. हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन विधाओं की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराना।
3. विद्यार्थियों को नवीन गद्य विधाओं के स्वरूप-विवेचन, विशेषताओं से परिचय कराना।
4. विद्यार्थियों ज्ञान-विज्ञान और पर्यावरण के प्रति जागरूक, करते हुए उत्तरदायी बनाना।
5. विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का बोध जगाते हुए सांस्कृतिक चेतना जागृत करना।
6. रचना के आधार पर प्रजातन्त्र की पद्धतियों से विद्यार्थियों का परिचय कराना।

● Course/Learning Outcomes:

CO-1) विद्यार्थियों का भाषा और साहित्य की विधाओं से परिचित होना और साहित्य की रचनात्मकता की ओर बढ़ना।

CO-2) विद्यार्थियों की भाषिक अभिव्यक्ति कौशल का संवर्धन होना।

CO-3) विद्यार्थियों का सामाजिक, राष्ट्रीय, लोकतान्त्रिक मूल्यों को ग्रहण करना।

CO-4) विद्यार्थियों का पर्यावरण के प्रति सचेत होना, जागरूक होना।

CO-5) विद्यार्थियों द्वारा साहित्य के अध्ययन से मानवीय मूल्य ग्रहण करते हुए बेहतर नागरिक बनना।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें

1) **कथा संचयन** : **संपादन**: **हिंदी अध्ययन मंडल**, **मुंबई विश्वविद्यालय**, **मुंबई**
लोकभारती प्रकाशन, **इलाहाबाद** -1

(पाठ)	**(लेखक)**
1. उसने कहा था	- चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. परीक्षा	- प्रेमचन्द
3. चित्र का शीर्षक	- यशपाल
4. दिल्ली में एक मौत	- कमलेश्वर

2) गद्य के विविध आयाम : संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली-2

(पाठ)	**(लेखक)**
1. मेरा विद्यार्थी-काल	- महात्मा गांधी
2. तू तो मुझसे भी अभागा है	- शांतिप्रिय द्विवेदी
3. सद्गुरु का कहना है	- हरिशंकर परसाई
4. शाहजहाँ के आँसू	- देवेंद्रनाथ शर्मा
5 . यशपाल	- फणीश्वरनाथ रेणु
6. मेरी अंडमान यात्रा	- विजय कुमार संदेश
7. समाज सेवा	- पदुमलाल पुन्नाल्लाल बख्शी
8. हंसिनी की भविष्यवाणी	- मनमोहन मदारिया

निर्धारित व्याख्यान:

इकाई	**पाठ**	**लेखक**	**विधा**	**व्याख्यान संख्या**
इकाई 1-	उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'	कहानी	व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	परीक्षा	प्रेमचन्द	कहानी	
	चित्र का शीर्षक	यशपाल	कहानी	
इकाई-2	दिल्ली में एक मौत	कमलेश्वर	कहानी	व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	मेरा विद्यार्थी-काल	महात्मा गांधी	आत्मकथांश	
	तू तो मुझसे भी अभागा है	शांतिप्रिय द्विवेदी	रेखाचित्र	
इकाई-3	सद्गुरु का कहना है	हरिशंकर परसाई	व्यंग्य	व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	शाहजहाँ के आँसू	देवेंद्रनाथ शर्मा	एकांकी	
	यशपाल	फनीश्वरनाथ रेणु	संस्मरण	
इकाई-4	मेरी अंडमान यात्रा	विजय कुमार संदेश	यात्रावृत्त	व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	समाज सेवा	पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी	निबंध	
	हंसिनी की भविष्यवाणी	मनमोहन मदारिया	लोककथा	

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र (संपादक), मयूर पेपरबैक, नई दिल्ल
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन, आगरा
5. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ डॉ. – शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबा
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
12. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. पूरनचंद टंडन, डॉ. विनिता कुमारी, जगतराम एण्ड सन्स प्रकाशन, नई दिल्ली
13. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र और डॉ.हरदयाल (संपादक) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
14. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. हिंदी कहानी का शिल्प विधि विकास- डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य-भवन इलाहाबाद
16. हिंदी की पहली कहानी- डॉ. देवेश ठाकूर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. साहित्य विवेचन- क्षेमचंद्र 'सुमन', योगेन्द्र कुमार 'मल्लिक', प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
18. हिंदी कहानी एक अंतरंग परिचय- उपेन्द्रनाथ अश्क, नीलाभ प्रकाशन, गाजियाबाद

QUESTION PAPER PATTERN

(External and Internal)

मूल्यांकन प्रारूप

आंतरिक मूल्यांकन- 40- अंक

रचनात्मक कार्य/ प्रकल्प इत्यादि-	20 अंक
प्रस्तुति/ परिसंवाद इत्यादि-	10 अंक
अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ-	10 अंक
कुलयोग-	**40 अंक**

बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 60- अंक ***परीक्षा अवधि- 02 घंटे***

प्रश्न *1)* पहला प्रश्न अनिवार्य है। (संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या) *15* अंक

प्रश्न दो) शेष *5* प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। *45* अंक

कुलयोग- 60 अंक

प्रश्न पत्र का नाम- हिंदी उपन्यास (HINDI NOVEL)

पाठ्यक्रम का प्रारूप MANDATORY/MAJOR- HINDI 02 Credits

Name of the Programme	**FYBA**
Level	**4.5**
Semester	**I**
Vertical	**Major/Mandatory**
Name of the Course	**हिंदी उपन्यास (HINDI NOVEL)**
Type	**Theory**
Credits	**2 credits (1credit=15Hours for Theory in a Semester)**
Hours Allotted	**30 Hours**
Marks Allotted	**50 Marks**

● प्रस्तावना (Introduction):

भाषा और साहित्य सामाजिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट करने के साथ विद्यार्थियों में अनेक परिवर्तन भी लाते हैं। भाषा और साहित्य संस्कृति का एक व्यापक हिस्सा है, जिसके बिना समाज का व्यवहार असंभव होता है। भाषा से ही साहित्य की रचना होती है और मानव अपनी कोमल-कठोर अनुभूतियों को भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है। जब भाषा सौन्दर्य और लालित्य पाकर रचनात्मकता की ओर बढ़ती है तो वह किसी भाषा का साहित्य बन जाता है। जब समाज इस साहित्य को पढ़ता है, अपनाता है तो वह समाज का अमूल्य अङ्ग बन जाता है। साहित्य में जीवन-मूल्यों के साथ शक्तिमत्ता, स्वार्थहीनता, संवेदना, अनुभूति और परोपकार जुड़ा रहता है, तब उच्चतम मानवीय मूल्यों का वास्तविक संवाहक साहित्य होता है और उच्च शिक्षा के दौरान साहित्य के माध्यम से यही समस्त गुण-मूल्य, आचरण विद्यार्थियों के मानस में उतरते हैं एवं विद्यार्थी एक बेहतर नागरिक बनने के साथ सामाजिक, राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान देता है।

● Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को गद्य विधा की महत्वपूर्ण, लोकप्रिय और प्रचलित रचना उपन्यास विधा से परिचित कराना।
2. हिंदी उपन्यास के आरंभ से लेकर अद्यतन प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराना।
3. विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास विधा के स्वरूप-विवेचन, विशेषताओं से परिचय कराना।
4. विद्यार्थियों ऐतिहासिक और लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक, करते हुए उत्तरदायी बनाना।
5. विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का बोध कराते हुए सामाजिक उत्तरगायित्व बढ़ाना।
6. विद्यार्थियों को उपन्यास विधा के स्वरूप-विवेचन तथा विशेषताओं से परिचय कराना।
7. उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता को बढ़ावा देते हुए सांस्कृतिक मूल्यों का बोध कराते हुए सांस्कृतिक चेतना जागृत करना।
8. विद्यार्थियों में नारी चेतना, नारी शिक्षा दायित्व बोध को जागृत करते हुए, लैंगिक विभेद को समाप्त करना।

● Course/Learning Outcomes

CO-1) विद्यार्थियों का भाषा और साहित्य की विधाओं से परिचित होना और साहित्यिक रचनात्मकता की ओर बढ़ना।
CO-2) विद्यार्थियों की भाषिक अभिव्यक्ति कौशल का संवर्धन होना।
CO-3) विद्यार्थियों का सामाजिक, राष्ट्रीय, लोकतान्त्रिक और सांस्कृतिक मूल्यों को ग्रहण करना।
CO-4) विद्यार्थियों का पर्यावरण के प्रति सचेत होना, जागरूक होना।
CO-5) विद्यार्थियों द्वारा साहित्य के अध्ययन से मानवीय मूल्य ग्रहण करते हुए बेहतर नागरिक बनना।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

- **जंगल के जुगनू (उपन्यास) - देवेश ठाकुर**

वाणी प्रकाशन, 21–ए दरियागंज, नई दिल्ली -110002

निर्धारित व्याख्यान:

इकाई	पाठ	व्याख्यान संख्या
इकाई-1	जंगल के जुगनू (पाठ वाचन एवं व्याख्या)	व्याख्यान- 15
इकाई-2	जंगल के जुगनू (पाठ विश्लेषण एवं व्याख्या)	व्याख्यान- 15

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद - डॉ. त्रिभुवन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी उपन्यास साहित्य की विकास परंपरा में सठोत्तरी उपन्यास – डॉ. पारुकान्त देसाई, चिंतन प्रकाशन, कानपुर
4. हिंदी उपन्यास सृजन और सिद्धान्त - नरेंद्र कोहली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. उपन्यासकार देवेश ठाकुर - डॉ. संगीता कोटिया, अमन प्रकाशन, कानपुर
6. देवेश ठाकुर के उपन्यासों में चरित्र-शिल्प – डॉ. वंदना प्रदीप, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर
7. देवेश ठाकुर के उपन्यासों में नारी – माधवी बागी, विद्या प्रकाशन, कानपुर
8. स्त्रीवाद और महिला उपन्यास – डॉ. वैशाली देशपांडे, अमन प्रकाशन, कानपुर

QUESTION PAPER PATTERN
(External and Internal)

मूल्यांकन प्रारूप

आंतरिक मूल्यांकन- 20- अंक

रचनात्मक कार्य / प्रकल्प इत्यादि- 10 अंक
प्रस्तुति / परिसंवाद सहभागिता इत्यादि- 05 अंक
अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ- 05 अंक

कुलयोग 20 अंक

बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 30- अंक ***परीक्षा अवधि- 01 घंटा***

प्रश्न *1)* पहला प्रश्न अनिवार्य है। (संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या) *15* अंक
प्रश्न *2)* शेष दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। *15* अंक

प्रश्न पत्र का नाम - संभाषण एवं मंच संचालन

पाठ्यक्रम का प्रारूप VSC- HINDI 02 Credits

Name of the Programme	**FYBA**
Level	**4.5**
Semester	**I**
Vertical	**Vocation Skill Course**
Name of the Course	**संभाषण एवं मंच संचालन**
Type	**Theory**
Credits	**2 credits (1credit=15 Hours for Theory in a Semester)**
Hours Allotted	**30 Hours**
Marks Allotted	**50 Marks**

- **प्रस्तावना (Introduction):**

भारत की सांस्कृतिक परंपरा मंच रही है और संचालन रहा है। मंच संचालन की कला प्राचीन समय से वर्तमान तक चली आई है। कार्यक्रम की रोचकता, मंच का प्रभाव भाषण कला और मंच संचालन से और भी प्रशंसनीय बन जाती है। वर्तमान समाज में जहां हर व्यक्ति रोज़गार की दृष्टि से ही शिक्षा ग्रहण करना चाहता है ऐसे उद्देश्य की पूर्ति के लिए संभाषण और मंच संचालन कला एक व्यावसायिक परिपूर्ति प्रदान करता है। इस दृष्टि से प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को केंद्रित कर रोजगारपरक विभिन्न आयाम के नियोजन को समुन्नत बनाते हुए उन्हें व्यावसायिक प्रतिस्पर्धी बनाता है।

- **Aims and objectives:**
  1) छात्रों को भाषा के प्रभावशाली प्रयोग का ज्ञान देना।
  2) छात्रों को भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित करवाना।
  3) विषय के अनुकूल भाव प्रकट करना सिखाना।
  4) संभाषण कलाका परिचय देना।
  5) अनुतान और बालाघात का ज्ञान देना।

- **Course/Learning Outcomes**:

CO-1) छात्र भाषा का प्रभावशाली प्रयोग कर सकेंगे।

CO-2) छात्र भाषा के विविध रूपों और उसके महत्व को समझ सकेंगे।

CO-3) विषय और संदर्भ के अनुकूल अपने भावों को व्यक्त कर सकेंगे।

CO-4) विभिन्न अवसरों पर प्रभावी ढंग से उद्घोषणाएं और मंच संचालन कर सकेंगे।

CO-5) विभिन्न मंच संचालन और उद्घोषणाओं के अवसर पर सही अनुतान और बालाघात का प्रयोग कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

(विषय)

- मंच संचालन अर्थ एवं स्वरूप
- मंच संचालन के विभिन्न रूप और उसकी विशेषताएं
- मंच संचालक के गुण
- मंच संचालन करते समय ध्यान देने योग्य बातें
- संभाषण अर्थ एवं स्वरूप
- संभाषण के विविध रूप
- जनसंचार में संभाषण की उपयोगिता एवं महत्व

निर्धारित व्याख्यान:

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
इकाई -1	मंच संचालन अर्थ एवं स्वरूप मंच संचालन के विभिन्न रूप और उसकी विशेषताएं मंच संचालक के गुण मंच संचालन करते समय ध्यान देने योग्य बातें	व्याख्यान-15
इकाई -2	संभाषण अर्थ एवं स्वरूप संभाषण के विविध रूप जनसंचार में संभाषण की उपयोगिता एवं महत्व	व्याख्यान-15

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1) भाषण कला - महेश शर्मा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2) अच्छा बोलने की कला - डेल कार्नेगी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
3) आधुनिक जनसंचार और हिंदी - प्रोफेसर हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4) मीडिया आयाम और प्रतिमान दो - पृथ्वी नाथ, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

QUESTION PAPER PATTERN

(External and Internal)

मूल्यांकन प्रारूप

आंतरिक मूल्यांकन- 20- अंक

रचनात्मक कार्य/ प्रकल्प इत्यादि- 10 अंक
प्रस्तुति/परिसंवाद सहभागिता इत्यादि- 05 अंक
अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ- 05 अंक

कुलयोग - 20 अंक

बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 30- अंक ***परीक्षा अवधि- 01 घंटा***

प्रश्न 1) तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 30 अंक

कुलयोग- 30 अंक

प्रश्न पत्र का नाम – प्रिंट-मीडिया लेखन एवं विज्ञापन (Print media & Advertising)

पाठ्यक्रम का प्रारूप SEC- HINDI 02 Credits

Name of the Programme	**FYBA**
Level	**4.5**
Vertical	**Skill Enhancement Course**
Semester	**I**
Name of the Course	**प्रिंट-मीडिया लेखन एवं विज्ञापन**
Type	**Theory**
Credits	**2 credits (1credit=15Hours for Theory in a semester)**
Hours Allotted	**30 Hours**
Marks Allotted	**50 Marks**

- **प्रस्तावना(Introduction):**

प्रिंट मीडिया का जन्म सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय भाव को सफल बनाने के लिए हुआ और धीरे-धीरे प्रिंट मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम बन गया। आज का युग भले ही डिजिटल का हो परंतु डिजिटल की तुलना में प्रिंट मीडिया को अधिक विश्वसनीय माना जाता है क्योंकि प्रकाशित सामग्री अधिक विश्वसनीय और सटीक होती है। प्रिंट मीडिया में समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, किताबे, ब्रोशर, इत्यादि साधन आते है और प्रत्येक का अपना अलग महत्त्व है। समाचार पत्र पूरे विश्व में हो रही घटनाओं जैसे सामाजिक, आर्थिक, खेल-कूद मनोरंजन आदि के बारे में जानकारी देकर हमें वर्तमान समय से जुड़े रखता है। इसलिए आज भी प्रिंट मीडिया का महत्व आज भी जैसे के वैसे बना है।

विज्ञापन अति प्राचीन कला है परंतु सही मायने में विज्ञापन की शुरुआत प्रिंट मीडिया से होती है और आज आधुनिक युग में रोजगार के अवसर की दृष्टि से विज्ञापन क्षेत्र का विचार करते है तो ग्राफिक्स, सॉफ्टवेअर, संख्याशास्त्र, विज्ञापन आदि का ज्ञान विद्यार्थीयों को हो तो विज्ञापन क्षेत्र में भरपूर मात्रा में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते है क्योंकि आज प्रत्येक मनुष्य विज्ञापन के साथ जुड़ गया है, सभी पर विज्ञापन का जादू छ गया है। अतः वैश्विक स्तर पर भी विज्ञापन के क्षेत्र की प्रगति युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करती है।

- **Aims and Objectives:**
  1) विद्यार्थियों को प्रिंट मीडिया से परिचित कराना।
  2) विद्यार्थियों में मुद्रित माध्यम पढ़ने के प्रति जिज्ञासा विकसित कराना।
  3) अच्छे संवाददाता के गुणों ज्ञान कराना।
  4) विद्यार्थियों को समाचार लेखन कला का ज्ञान कराना।
  5) विद्यार्थियों की भाषिक अभिव्यक्ति कौशल का संवर्धन कराना।
  6) विद्यार्थियों को विज्ञापन के महत्त्व एवं उपयोगिता का परिचय कराना।

- **Course/Learning Outcomes:**

CO-1) प्रिंट मीडिया और विज्ञापन के क्षेत्र में विद्यर्थियों को रोजगार के अवसर प्राप्त करने का कौशल निर्माण होगा।
CO-2) विद्यर्थियों की सर्जन शक्ति या कल्पना शक्ति को विकसित करने में सहायता होगी।
CO-3) विद्यार्थी एक सफल संवाददाता बन सकते हैं।
CO-4) विद्यार्थी एक अच्छे विज्ञापनकर्ता बन सकते हैं।
CO-5) विद्यर्थियों का भाषिक कौशल निर्माण हो सकता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

(विषय)

- प्रिंट मीडिया – उद्भव एवं विकास, महत्व एवं उपयोगिता
- प्रिंट मीडिया के प्रकार
- समाचार लेखन – समाचारों के विभिन्न स्रोत
- समाचार लेखन के प्रकार
- संवाददाता के गुण
- संपादकीय लेखन
- फीचर लेखन
- पृष्ठ-सज्जा एवं प्रस्तुतीकरण – तत्त्व
- विज्ञापन – अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
- विज्ञापन – आवश्यकता
- विज्ञापन लेखन के तत्व
- अच्छे विज्ञापन के गुण
- विज्ञापन के प्रकार
- विज्ञापन के माध्यम
- विज्ञापन के कारण होनेवाले परिवर्तन – ग्राहक, उत्पादक, विक्रेता एवं आर्थिक व्यवस्था
- अच्छे विज्ञापन के गुण

निर्धारित व्याख्यान:

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
इकाई – 1	प्रिंट मीडिया – उद्भव एवं विकास, महत्व एवं उपयोगिता प्रिंट मीडिया के प्रकार समाचार लेखन – समाचारों के विभिन्न स्रोत समाचार लेखन के प्रकार संवाददाता के गुण संपादकीय लेखन फीचर लेखन पृष्ठ-सज्जा एवं प्रस्तुतीकरण – तत्त्व	व्याख्यान – 15
इकाई –2	विज्ञापन – अर्थ, परिभाषा एवं महत्व विज्ञापन – आवश्यकता विज्ञापन लेखन के तत्व विज्ञापन के प्रकार विज्ञापन के माध्यम विज्ञापन के कारण होनेवाले परिवर्तन – ग्राहक, उत्पादक, विक्रेता एवं आर्थिक व्यवस्था अच्छे विज्ञापन के गुण	व्याख्यान – 15

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1) मीडिया और हिंदी वैश्वीकृत प्रयोजनूलक हिंदी - डॉ. कृष्ण कुमार रत्तु, वाईकिंग बुक्स प्रकाशन, जयपुर
2) नया मीडिया संसार मीडिया क्रांती के नये संदर्भ - डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, वाईकिंग बुक्स प्रकाशन, जयपुर
3) वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रुझान - शालिनी जोशी,शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
4) मीडिया विमर्श - रामशरन जोशी, सामायिक प्रकाशन प्रकाशन, जटवाडा
5) वैश्वीकरण, मीडिया और समाज - राम गोपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिग हाऊस, जयपुर
6) मीडिया और सामाजिक बदलाव - जोसेफ गाथीया,कॉन्सेप्ट पब्लिशिग कंपनी, नयी दिल्ली
7) विज्ञापन एक कला - डॉ. संगीता चित्रकोटी , शैलजा प्रकाशन, कानपुर
8) विज्ञापनों का मायाजाल और उपभोक्ता - मिनू अग्रवाल, कनिष्क पब्लिशर्स अँड डिस्ट्रीब्यूटर, दिल्ली
9) विज्ञापन एवं मीडिया में नारी की छवी - डॉ. शमा खान, राज पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर
10) मीडिया और हिंदी बदलती प्रवृत्तियाँ - रवींद्र जाधव, केशव मोरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11) इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन - प्रो. रमेश जैन, मंगल दीप पब्लिकेशन, जयपुर
12) मीडिया समग्र : भाग -1 व भाग -2 - प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर
13) हिंदी प्रिंट मिडिया में महिलाओं का योगदान - डॉ. सविता सिंह, प्रकाशन कुशीविहार, यशोदा नगर

QUESTION PAPER PATTERN
(External and Internal)
मूल्यांकन प्रारूप

आंतरिक मूल्यांकन- 20- अंक

रचनात्मक कार्य/ प्रकल्प इत्यादि-	10 अंक
प्रस्तुति/परिसंवाद सहभागिता इत्यादि -	05 अंक
अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ-	05 अंक
कुलयोग -	**20 अंक**

बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 30- अंक ***परीक्षा अवधि- 01 घंटा***

प्रश्न 1) तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 30 अंक

कुलयोग- **30 अंक**

SEMESTER

II

प्रश्न पत्र का नाम - आधुनिक हिंदी गद्य (MODERN PROSE)

पाठ्यक्रम का प्रारूप MANDATORY/MAJOR- HINDI 04 Credits

Name of the Programme	**FYBA**
Level	**4.5**
Vertical	**Major**
Semester	**II**
Name of the Course	**आधुनिक हिंदी गद्य (MODERN HINDI PROSE)**
Type	**Theory**
Credits	**4credits (1credit=15Hours for Theory in a Semester)**
Hours Allotted	**60 Hours**
Marks Allotted	**100 Marks**

- **प्रस्तावना (Introduction):**

भाषा और साहित्य सामाजिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट करने के साथ विद्यार्थियों में अनेक परिवर्तन भी लाते हैं। भाषा और साहित्य संस्कृति का एक व्यापक हिस्सा है, जिसके बिना समाज का व्यवहार असंभव होता है। भाषा से ही साहित्य की रचना होती है और मानव अपनी कोमल-कठोर अनुभूतियों को भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है। जब भाषा सौन्दर्य और लालित्य पाकर रचनात्मकता की ओर बढ़ती है तो वह किसी भाषा का साहित्य बन जाता है. जब समाज इस साहित्य को पढ़ता है, अपनाता है तो वह समाज का अमूल्य अङ्ग बन जाता है। साहित्य में जीवन-मूल्यों के साथ शक्तिमत्ता, स्वार्थहीनता, संवेदना, अनुभूति और परोपकार जुड़ा रहता है, तब उच्चतम मानवीय मूल्यों का वास्तविक संवाहक साहित्य होता है और उच्च शिक्षा के दौरान साहित्य के माध्यम से यही समस्त गुण-मूल्य, आचरण विद्यार्थियों के मानस में उतरते हैं एवं विद्यार्थी एक बेहतर नागरिक बनने के साथ सामाजिक, राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान देता है।

- **Aims and Objectives:**

1. विद्यार्थियों को गद्य विधाओं की प्रचलित रचना कहानी और निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, वैज्ञानिक लेख, व्यंग्य, लोककथा एवं यात्रावृत्त आदि नवीनतम विधाओं से परिचित कराना।
2. हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन विधाओं की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराना।
3. विद्यार्थियों को नवीन गद्य विधाओं के स्वरूप-विवेचन, विशेषताओं से परिचय कराना।
4. विद्यार्थियों ज्ञान-विज्ञान और पर्यावरण के प्रति जागरूक, करते हुए उत्तरदायी बनाना।
5. विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का बोध जगाते हुए सांस्कृतिक चेतना जागृत करना।
6. रचना के आधार पर प्रजातन्त्र की पद्धतियों से विद्यार्थियों का परिचय कराना।

- **Course/Learning Outcomes:**

CO-1) विद्यार्थियों का भाषा और साहित्य की विधाओं से परिचित होना, साहित्य की रचनात्मकता की ओर बढ़ना।
CO-2) विद्यार्थियों की भाषिक अभिव्यक्ति कौशल का संवर्धन होना।
CO-3) विद्यार्थियों का सामाजिक, राष्ट्रीय, लोकतान्त्रिक मूल्यों को ग्रहण करना।
CO-4) विद्यार्थियों का पर्यावरण के प्रति सचेत होना, जागरूक होना।
CO-5) विद्यार्थियों द्वारा साहित्य के अध्ययन से मानवीय मूल्य ग्रहण करते हुए बेहतर नागरिक बनना।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1) कथा संचयन : **संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई**
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1

(पाठ)	**(लेखक)**
1. फैसला	- भीष्म साहनी
2. बहादुर	- अमरकांत
3. आस्था के आयाम	- मालती जोशी
4. बेटी	- मैत्रेयी पुष्पा

2) गद्य के विविध आयाम : **संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई**
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली-2

(पाठ)	**(लेखक)**
1. नेता नहीं, नागरिक चाहिए	- रामधारी सिंह 'दिनकर'
2. बदलू	- महादेवी वर्मा
3. बाईस वर्ष बाद	- बनारसीदास चतुर्वेदी
4. स्वामी दयानंद	- मोहन राकेश
5. एक मूर्ति कथा	- शंकर पुणतांबेकर
6. मकड़ी का ज़ाला	- जगदीशचन्द्र माथुर
7. कम्प्यूटर : नई क्रांति की दस्तक	- गुणाकर मुले
8. सौंदर्य की नदी नर्मदा	- अमृतलाल बेगड़

निर्धारित व्याख्यान:

इकाई	पाठ	लेखक	विधा	व्याख्यान संख्या
इकाई-1	फैसला	भीष्म साहनी	कहानी	व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	बहादुर	अमरकांत	कहानी	
	आस्था के आयाम	मालती जोशी	कहानी	
इकाई-2	बेटी	मैत्रेयी पुष्पा	कहानी	व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	नेता नहीं, नागरिक चाहिए	रामधारी सिंह 'दिनकर'	निबंध	
	बदलू	महादेवी वर्मा	संस्मरण	
इकाई-3	बाईस वर्ष बाद	बनारसीदास चतुर्वेदी	रेखाचित्र	व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	स्वामी दयानंद	मोहन राकेश	जीवनी	
	एक मूर्ति कथा	शंकर पुणतांबेकर	व्यंग्य	
इकाई-4	मकड़ी का ज़ाला	जगदीशचन्द्र माथुर	एकांकी	व्याख्यान- 15 क्रेडिट- 01
	कम्प्यूटर : नई क्रांति की दस्तक	गुणाकर मुले	वैज्ञानिक- लेख	
	सौंदर्य की नदी नर्मदा	अमृतलाल बेगड़	यात्रावृत्त	

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र (संपादक), मयूर पेपरबैक, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन, आगरा
5. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ डॉ. – शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
12. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. पूरनचंद टंडन, डॉ. विनिता कुमारी, जगतराम एण्ड सन्स प्रकाशन
13. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र और डॉ.हरदयाल (संपादक) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
14. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. नई कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा, भारती प्रेस प्रकाशन, इलाहाबाद
17. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. हिंदी का गद्य साहित्य- रामचन्द्र तिवारी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
20. कहानी; नयी कहानी-डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21. हिंदी कहानी का उद्भव और विकास - डॉ. सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन नयी दिल्ली
22. हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति - डॉ. हरदयाळ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
23. हिंदी कहानी का शिल्प विधि विकास- डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य-भवन इलाहाबाद

UESTION PAPER PATTERN

(External and Internal)

मूल्यांकन प्रारूप

आंतरिक मूल्यांकन- 40- अंक

रचनात्मक कार्य, प्रकल्प इत्यादि-	20 अंक
प्रस्तुति, परिसंवाद इत्यादि -	10 अंक
अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ-	10 अंक
कुलयोग-	**40 अंक**

बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 60- अंक ***परीक्षा अवधि- 02 घंटे***

प्रश्न 1) पहला प्रश्न अनिवार्य है। (संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या) 15 अंक

प्रश्न दो) शेष 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 45 अंक

कुलयोग- **60**- अंक

प्रश्न पत्र का नाम- हिंदी नाटक (HINDI DRAMA)

पाठ्यक्रम का प्रारूप MANDATORY/MAJOR- HINDI 02 Credits

Name of the Programme	**FYBA**
Level	**4.5**
Vertical	**Major**
Semester	**II**
Name of the Course	**हिंदी नाटक (HINDI DRAMA)**
Type	**Theory**
Credits	**2 credits (1credit=15Hours for Theory in a Semester)**
Hours Allotted	**30 Hours**
Marks Allotted	**50 Marks**

- **प्रस्तावना (Introduction):**

भाषा और साहित्य सामाजिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट करने के साथ विद्यार्थियों में अनेक परिवर्तन भी लाते हैं। भाषा और साहित्य संस्कृति का एक व्यापक हिस्सा है, जिसके बिना समाज का व्यवहार असंभव होता है। भाषा से ही साहित्य की रचना होती है और मानव अपनी कोमल-कठोर अनुभूतियों को भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है। जब भाषा सौन्दर्य और लालित्य पाकर रचनात्मकता की ओर बढ़ती है तो वह किसी भाषा का साहित्य बन जाता है। जब समाज इस साहित्य को पढ़ता है, अपनाता है तो वह समाज का अमूल्य अङ्ग बन जाता है। साहित्य में जीवन-मूल्यों के साथ शक्तिमत्ता, स्वार्थहीनता, संवेदना, अनुभूति और परोपकार जुड़ा रहता है, तब उच्चतम मानवीय मूल्यों का वास्तविक संवाहक साहित्य होता है और उच्च शिक्षा के दौरान साहित्य के माध्यम से यही समस्त गुण-मूल्य, आचरण विद्यार्थियों के मानस में उतरते हैं एवं विद्यार्थी एक बेहतर नागरिक बनने के साथ सामाजिक, राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान देता है।

- **Aims and Objectives:**

1. विद्यार्थियों को गद्य विधा की महत्वपूर्ण, लोकप्रिय और प्रचलित रचना नाटक विधाओं से परिचित कराना।
2. हिंदी नाटक के आरंभ से लेकर अद्यतन विधाओं की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराना।
3. विद्यार्थियों को हिंदी नाटक विधाओं के स्वरूप-विवेचन, विशेषताओं से परिचय कराना।
4. विद्यार्थियों ऐतिहासिक और लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक, करते हुए उत्तरदायी बनाना।
5. विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का बोध कराते हुए सामाजिक उत्तरगायित्व बढ़ाना।
6. विद्यार्थियों को नाटक विधा के स्वरूप-विवेचन तथा विशेषताओं से परिचय कराना।
   नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता को बढ़ावा देते हुए सांस्कृतिक मूल्यों का बोध कराते हुए सांस्कृतिक चेतना जागृत करना।
7. विद्यार्थियों में नारी चेतना, नारी शिक्षा दायित्व बोध को जागृत करते हुए, लैंगिक विभेद को समाप्त करना।

- **Course/Learning Outcomes**

CO-1) विद्यार्थियों का नाटक- साहित्य की विधा से परिचित होना, साहित्यिक रचनात्मकता की ओर बढ़ना।
CO-2) विद्यार्थियों की भाषिक अभिव्यक्ति कौशल का संवर्धन होना।
CO-3) विद्यार्थियों का सामाजिक, राष्ट्रीय, लोकतान्त्रिक और सांस्कृतिक मूल्यों को ग्रहण करना।
CO-4) विद्यार्थियों का पर्यावरण के प्रति सचेत होना, जागरूक होना।
CO-5) विद्यार्थियों द्वारा साहित्य के अध्ययन से मानवीय मूल्य ग्रहण करते हुए बेहतर नागरिक बनना।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

पुस्तक विवरण-

निर्धारित पाठ्य पुस्तक:

- **अंधों का हाथी (नाटक) – शरद जोशी**

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली -110002

निर्धारित व्याख्यान:

इकाई	विधा	व्याख्यान संख्या
इकाई-1	अंधों का हाथी (पाठ वाचन एवं व्याख्या)	व्याख्यान- 15
इकाई-2	अंधों का हाथी (पाठ विश्लेषण एवं व्याख्या)	व्याख्यान- 15

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. आधुनिक हिंदी नाटक- गिरीश रस्तोगी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर, 1968
2. हिंदी नाटक और रंगमंच: नई दिशाएँ, नए प्रश्न - गिरीश रस्तोगी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी नाटककार – जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1961
4. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2008
5. हिंदी नाटक के पाँच दशक – कुसुम खेमनी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2005
6. आधुनिक हिंदी नाटक – बनवीर प्रसाद शर्मा, अनग प्रकाशन, दिल्ली, 2001
7. नाटक: विवेचना एवं दृष्टि – डॉ. मोहसिन खान, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2021
8. हिंदी नाटक: कल और आज, केदार सिंह, मोतीलाल बनरसीदास पब्लिशर्स, दिल्ली, 2015

QUESTION PAPER PATTERN

(External and Internal)

मूल्यांकन प्रारूप

आंतरिक मूल्यांकन- 20- अंक

रचनात्मक कार्य / प्रकल्प इत्यादि- 10 अंक

प्रस्तुति / परिसंवाद सहभागिता इत्यादि - 05 अंक

अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ- 05 अंक

कुलयोग 20 अंक

बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 30- अंक ***परीक्षा अवधि- 01 घंटा***

प्रश्न 1) पहला प्रश्न अनिवार्य है। (संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या) 15 अंक

प्रश्न 2) शेष दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। 15 अंक

कुलयोग = 30- अंक

प्रश्न पत्र का नाम - सृजनात्मक लेखन

पाठ्यक्रम का प्रारूप VSC- HINDI 02 Credits

Name of the Programme	FYBA
Level	4.5
Vertical	Vocation Skill Course
Semester	II
Name of the Course	सृजनात्मक लेखन
Type	Theory
Credits	2 credits (1credit=15 Hours for Theory in a Semester)
Hours Allotted	30 Hours
Marks Allotted	50 Marks

- **प्रस्तावना(**Introduction):)

सृजनात्मक लेखन अर्थात नवीन निर्माण की संकल्पना, प्रतिभा एवं शक्ति से निर्मित लेख एवं पदार्थ सृजनात्मकता को ही कॉलरिज कल्पना कहता है। सृजनात्मक लेखन की कला प्राचीन समय से वर्तमान तक चली आई है। कल्पना अर्थात नवसृजन की वह जीवन-शक्ति जो कलाकारों साहित्यकारों वैज्ञानिकों और दार्शनिकों में होती है। साहित्य की रोचकता का प्रभाव भाषण कला और सृजनात्मक लेखन से और भी प्रशंसनीय बन जाता है। वर्तमान समाज में जहां हर व्यक्ति रोज़गार की दृष्टि से ही शिक्षा ग्रहण करना चाहता है ऐसे उद्देश्य की पूर्ति के लिए रचनात्मक लेखन कला एक व्यावसायिक परिपूर्ति प्रदान करता है। इस दृष्टि से प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को केंद्रित कर रोजगारपरक विभिन्न आयाम के नियोजन को समुन्नत बनाते हुए उन्हें व्यावसायिक प्रतिस्पर्धी बनाता है।

- **Aims and Objectives:**

1) छात्रों की सृजनात्मक क्षमता को विकसित करना।
2) छात्रों की विचारशीलता, कल्पना-शक्ति और चिंतन शक्ति को बढ़ाना।
3) छात्रों को हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त सृजनात्मक लेखन का ज्ञान देना।
4) छात्र को सृजनात्मक लेखन द्वारा रोजगार प्राप्त करने की दृष्टि से ज्ञान देना।

- **Course/Learning Outcomes:**

CO-1) छात्रों की सृजनात्मक लेखन की शक्ति विकसित होगी।
CO-2) छात्र विचारशील और चिंतनशील होकर विभिन्न अवसरों का लाभ उठा सकेंगे।
CO-3) छात्रों को हिंदी के सृजनात्मक लेखन के विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

(विषय)

- सृजनात्मक लेखन का स्वरूप
- प्रक्रिया और विकास
- सृजनात्मक लेखन के तत्व एवं सिद्धांत
- गद्य लेखन
- पद्य लेखन
- काव्य रूप- लेखन
- नाटक लेखन
- समाचार लेखन
- कहानी लेखन
- साक्षात्कार लेखन
- संवाद लेखन
- रिपोर्ट लेखन

निर्धारित व्याख्यान:

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
इकाई – 1	सृजनात्मक लेखन का स्वरूप प्रक्रिया और विकास सृजनात्मक लेखन के तत्व एवं सिद्धांत गद्य लेखन पद्य लेखन काव्य रूप- लेखन	व्याख्यान -15
इकाई – 2	नाटक लेखन समाचार लेखन कहानी लेखन साक्षात्कार लेखन संवाद लेखन रिपोर्ट लेखन	व्याख्यान -15

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1) लेखन कला, डॉ. आबिद अली, निर्मल पब्लिकेशन, कुरुक्षेत्र।
2) लेखन कला, डॉ. संदीप कुमार, निर्मल पब्लिकेशन, कुरुक्षेत्र।
3) पत्रकारिता, सर्जनात्मक लेखन और प्रक्रिया, डॉ अरुण भगत।

4) सृजनात्मक लेखन, हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली।
5) सृजनात्मक लेखन और प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ विवेक शंकर, अरिहंत पब्लिकेशन, जयपुर।

QUESTION PAPER PATTERN

(External and Internal)

मूल्यांकन प्रारूप

आंतरिक मूल्यांकन- 20- अंक

रचनात्मक कार्य/ प्रकल्प इत्यादि-	10 अंक
प्रस्तुति/परिसंवाद सहभागिता इत्यादि -	05 अंक
अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ-	05 अंक
कुलयोग -	**20 अंक**

बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 30- अंक ***परीक्षा अवधि- 01 घंटा***

प्रश्न 1) तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 30 अंक

कुलयोग- **30 अंक**

प्रश्न पत्र का नाम - इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हिंदी

पाठ्यक्रम का प्रारूप SEC - HINDI 02 Credits

Name of the Programme	FYBA
Level	4.5
Vertical	Skill Enhancement Course
Semester	II
Name of the Course	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हिंदी
Type	Theory
Credits	2 credits (1credit=15 Hours for Theory in a Semester)
Hours Allotted	30 Hours
Marks Allotted	50 Marks

- **प्रस्तावना**(Introduction):

युवाओं में मीडिया के क्षेत्र में 2001 के बाद काफी रुझान बढ़ा है। विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में जिस तरह से चैनलों की भरमार हो गई है, युवा पीढ़ी को इस मीडिया ने अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। यथार्थ में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एक व्यापक विषय हैं। शुरुआती दौर में सिर्फ दूरदर्शन एक विजुअल मीडिया था, आज जब की सोशल मीडिया ने विकास की चरम सीमा को छू लिया है, ऐसी अवस्था में मोबाइल, कंप्यूटर जैसे नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम युवाओं के कौशल को ललकार रहे हैं। संवाद के इस नए माध्यम को देश के विकास का जरिया बनाना है। आज इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के दौर में अभिव्यक्त होने लिए भाषिक कौशल का विकास कराना, व्यक्तित्व विकास के गुणों का संवर्धन कराना महत्वपूर्ण बन गया है। स्वस्थ विचारों का स्वस्थ युवक देश की उन्नति के लिए आवश्यक है इसी जिम्मेदारी का अहसास युवाओं को अपने दायित्व निभाने की प्रेरणा देता है। इस सिलसिले में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का परिचय यह महत्वपूर्ण पहल है।

- **Aims and Objectives**:

1. विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से परिचित कराना।
2. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के विकास से अवगत कराना, अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना।
3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए आवश्यक भाषिक कौशल का विकास करना।
4. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमोपयोगी लेखन के अंगों से परिचित कराते हुए मूल्यवर्धित समाज का निर्माण करना।
5. विद्यार्थियों के रचनात्मकता को बढ़ावा देते हुए सामाजिक दायित्व के प्रति सचेत करना।
6. विद्यार्थियों में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के प्रति रुझान बढ़ाना।
7. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के सामाजिक दायित्व का परिचय दिलाते हुए विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्य का विकास कराना।

- **Course/Learning Outcomes**:

CO-1) विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से परिचित होंगे।
CO-2) विद्यार्थियों में माध्यमोपयोगी लेखन कौशल का विकास होगा।
CO-3) विद्यार्थी सामाजिक और लोकतांत्रिक दायित्व के प्रति जागरूक होंगे।
CO-4) विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति कौशल का संवर्धन होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

(विषय)

- मीडिया का अर्थ
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विकास
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : विविध रूप
- टेलिविजन
- कम्प्युटर
- इंटरनेट
- सोशल मीडिया
- रेडियो लेखन
- टेलिविजन समाचार लेखन
- ब्लॉग लेखन
- ई-पत्रकारिता
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भाषा
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हिंदी
- हिंदी के विकास में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका

निर्धारित व्याख्यान:

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
इकाई-1	मीडिया का अर्थ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विकास इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : विविध रूप टेलिविजन कम्प्युटर इंटरनेट सोशल मीडिया	व्याख्यान- 15
इकाई-2	रेडियो लेखन टेलिविजन समाचार लेखन ब्लॉग लेखन ई-पत्रकारिता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भाषा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हिंदी हिंदी के विकास में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका	व्याख्यान- 15

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. इलेक्ट्रॉनिक मिडिया- संजय गौड़, बुक एन्क्लेव,जयपुर
2. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ.विनोद गोदरे
3. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता -अजय कुमार सिंह
4. बदलती पत्रकारिता के गिरते मूल्य- डॉ.निशांत सिंह
5. मीडिया की बदलती भाषा- डॉ.अजय कुमार सिंह
6. आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी- डॉ.हरिमोहन
7. मीडिया और हिंदी -बदलती प्रवृत्तियां, सं.रविन्द्र जाधव /केशव मोरे
8. मीडिया लेखन,सिद्धांत और व्यवहार -डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र
9. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सिद्धांत- रूपचंद गौतम
10. जनसंचार माध्यम -चुनौतियाँ और दायित्व- डॉ.त्रिभुवन राय

QUESTION PAPER PATTERN

(External and Internal)

मूल्यांकन प्रारूप

आंतरिक मूल्यांकन- 20- अंक

रचनात्मक कार्य/ प्रकल्प इत्यादि-	10 अंक
प्रस्तुति/परिसंवाद सहभागिता इत्यादि -	05 अंक
अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ-	05 अंक
कुलयोग -	**20 अंक**

बाह्य मूल्यांकन- लिखित परीक्षा- 30- अंक ***परीक्षा अवधि- 01 घंटा***

प्रश्न 1) तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 30 अंक

कुलयोग- **30 अंक**

Letter Grades and Grade Points:

Semester GPA/ Programme CGPA Semester/ Programme	% of Marks	Alpha-Sign/ Letter Grade Result	Grading Point
9.00 - 10.00	90.0 - 100	O (Outstanding)	10
8.00 - < 9.00	80.0 - < 90.0	A+ (Excellent)	9
7.00 - < 8.00	70.0 - < 80.0	A (Very Good)	8
6.00 - < 7.00	60.0 - < 70.0	B+ (Good)	7
5.50 - < 6.00	55.0 - < 60.0	B (Above Average)	6
5.00 - < 5.50	50.0 - < 55.0	C (Average)	5
4.00 - < 5.00	40.0 - < 50.0	P (Pass)	4
Below 4.00	Below 40.0	F (Fail)	0
Ab (Absent)	-	Ab (Absent)	0

Team for Creation of Syllabus

Sr. No.	Name	BOS
1.	Prof. Dr. Santosh Motwani	Chairman, BOS (Hindi)
2.	Prof. Dr. Dattatraya Murumkar	Member
3.	Prof. Dr. Karunashankar Upadhyay	Member
4.	Prof. Dr. Mohsin Ali Khan	Member
5.	Dr. Narayan Bagul	Member
6.	Dr. Meena Sutwani	Member
7.	Prof. Dr. Sangita Chitrakoti	Member
8.	Prof. Dr. Chitra Goswami	Member
9.	Dr. Santosh Gaikwad	Member
10.	Dr. Rahul Marathe	Member

Sign of BOS Chairman

Prof. Dr. Santosh Motwani
Board of Studies in Hindi

Sign of the Offg.
Associate Dean
Dr. Suchitra Naik
Faculty of Humanities

Sign of the Offg.
Associate Dean
Dr. Manisha Karne
Faculty of Humanities

Sign of the Dean

Prof. Dr. Anil Singh
Faculty of Humanities

ppendix B

Justification for B.A. (HINDI)

1.	**Necessity for starting the course:**	As Hindi is the largest spoken language of India and main language of entertainment and advertisement industry of the country. The knowledge and proficiency in this language are very wonderful for the students and Hindi has 1300 years long history, so to understand in socio-culture aspects of a large hindi belt and rest of India the study of Hindi language and literature has great importance.
2.	**Whether the UGC has recommended the course:**	**YES**
3.	**Whether all the courses have commenced from the academic year 2024-25**	**Sem I & II Starts from academic year 2024-25**
4.	**The courses started by the University are self-financed, whether adequate number of eligible permanent faculties are available?**	Aided Course
5.	**To give details regarding the duration of the Course and is it possible to compress the course ?**	UG certificate in Hindi: One Year UG Diploma in Hindi: Two Years BA (Hndi)Three Years BA (Hon.) Four Years BA (Hon. with Research) in Hindi: Four Years
6.	**The intake capacity of each course and no. of admissions given in the current academic year:**	120 Per Division (As Per Govt**.** Maharashtra Norms)
7.	**Opportunities of Employability / Employment available after undertaking these courses:**	The Batchelor's course in Hindi has amazing Employment. **Opportunity:** The student can gate with NGOs, Govt. Offices, Organizations, News Channel, Media, Journalism, etc.

Sign of BOS Chairman
Prof. Dr. Santosh Motwani
Board of Studies in Hindi

Sign of the Offg.
Associate Dean
Dr. Suchitra Naik
Faculty of Humanities

Sign of the Offg.
Associate Dean
Dr. Manisha Karne
Faculty of Humanities

Sign of the Dean
Prof. Dr. Anil Singh
Faculty of Humanities